मधुबन से मुलाकात
KNOW YOUR MADHUBAN
हरियाणा पुलिस अकादमी
HARYANA POLICE ACADEMY
website : http// www.hpa.haryanapolice.gov.in

पहली कड़ी

सितम्बर 2020

हरियाणा पुलिस प्रशिक्षण केंद्र का ऐतिहासिक शुभारंभ

हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन, देश के श्रेष्ठ पुलिस प्रशिक्षण केंद्रों में एक है। हरियाणा पुलिस प्रशिक्षण की विकास-यात्रा से परिचित होना पुलिसकर्मियों एवं अधिकारियों के लिए रोमांचक अनुभव है। इसके बारे में जानकर, सभी गौरवांवित अनुभव करेंगे।

हरियाणा प्रदेश के अस्तित्व में आने से पूर्व पुलिस प्रशिक्षण का कार्य फिल्लौर और जहानखेला में संपन्न होता था। छायाचित्र संख्या एक, पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय, फिल्लौर पंजाब में 11 मार्च 1960 को जम्मू-कश्मीर के तत्कालीन प्रधानमंत्री बक्शी गुलाम मोहम्मद के आगमन के समय का है। इस छायाचित्र में श्री जेसी वच्छेर भापुसे, महानिरीक्षक रेलवे; श्री एचआरके तलवार भापुसे, प्राचार्य, पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय फिल्लौर; श्री भगवान सिंह रोशा भापुसे, पुलिस उप महानिरीक्षक, सीमा मंडल; चौ. राम सिंह भापुसे, अतिरिक्त पुलिस महानिरीक्षक पंजाब; श्री जेसी बावा भापुसे, पुलिस अधीक्षक करनाल; श्री आखेराम निरीक्षक, श्री सुखदेव कोहली निरीक्षक, श्री कमलजीत राय उप निरीक्षक, श्री रजवंत

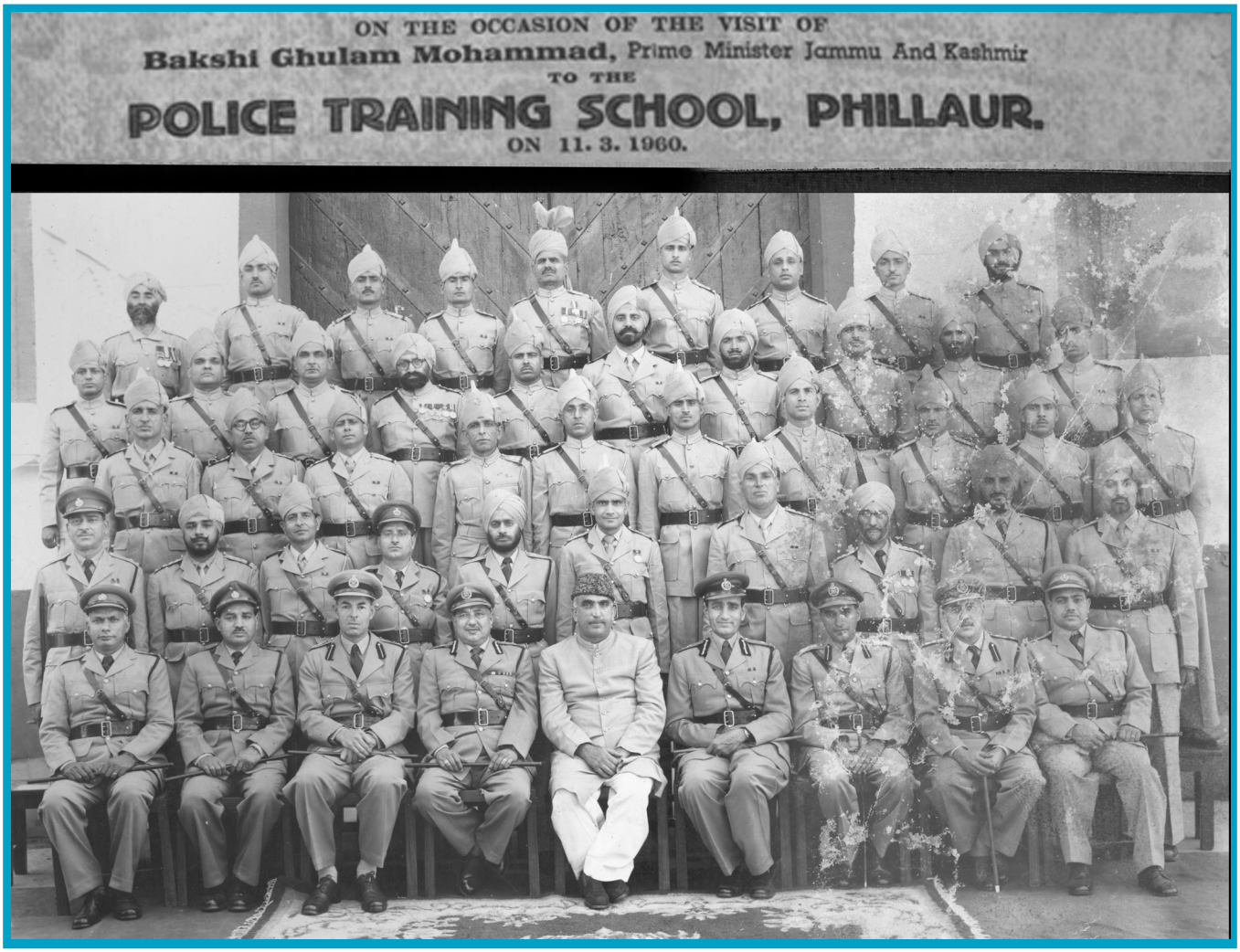

छायाचित्र संख्या-01

सिंह उप निरीक्षक शामिल हैं। ये अधिकारी एवं कर्मचारी हरियाणा प्रदेश बनने पर हरियाणा पुलिस में शामिल रहे।

1 नवंबर 1966 को पंजाब राज्य का पुनर्गठन हुआ और हरियाणा राज्य अस्तित्व में आया। हरियाणा के हिस्से में अम्बाला पुलिस मंडल, करनाल, जींद, रोहतक, हिसार, महेंद्रगढ़ व गुड़गांव नाम से 6 जिले और सशस्त्र पुलिस की वाहिनी आई। हरियाणा प्रदेश बनने के साथ ही, 12165 अधिकारी एवं कर्मचारियों का पुलिस बल 'हरियाणा पुलिस' के नाम से अस्तित्व में आया और इसके प्रथम प्रमुख के रूप में पुलिस महानिरीक्षक हरियाणा पद पर श्री भगवान सिंह रोशा भापुसे नियुक्त हुए। पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय, फिल्लौर में नियुक्त प्रशिक्षक श्री कमलजीत राय उप निरीक्षक, श्री सुखपाल सिंह राणा उपनिरीक्षक भी हरियाणा पुलिस में स्थानांतरित हुए। पुनर्गठन के समय जिन कर्मचारियों की नियुक्त नवगठित हरियाणा प्रदेश क्षेत्र में नहीं थी और उन्हें पंजाब पुलिस से हरियाणा पुलिस में स्थानांतरित किया गया, उनकी आगमन उपस्थिति अम्बाला में स्थित हरियाणा सशस्त्र पुलिस की प्रथम वाहिनी में होती थी।

प्रदेश बनने के बाद पुलिस के लिए प्रशिक्षण केंद्र की आवश्यकता अनुभव हुई। नीलोखेड़ी को भारत की स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद 1948 से ही शैक्षणिक केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा था। यहां पर बहुतकनीकी संस्थान परिसर में पक्के भवन उपलब्ध थे। अत: सुविधाओं को देखते हुए नीलोखेड़ी में एक रैक्रूट प्रशिक्षण केंद्र, स्थापित करने का निर्णय हुआ। बहुतकनीकी संस्थान के भवनों में से कुछ भवन रैक्रूट प्रशिक्षण केंद्र के लिए आबंटित किए गए। इसके अतिरिक्त आवश्यकता अनुसार तंबू लगाकर आवासीय व्यवस्था विकसित की गई।

11 दिसम्बर 1966 को रैक्रूट प्रशिक्षण केन्द्र नीलोखेड़ी में आरम्भ हुआ, इस केन्द्र के लिए उस समय अलग से

छायाचित्र संख्या-02

कर्मचारी स्वीकृत नहीं थे। इस केंद्र में प्रशिक्षण व प्रशासनिक कार्य आदेशक द्वितीय वाहिनी, हरियाणा सशस्त्र पुलिस की देख-रेख में किया जाता था। रैक्रूट प्रशिक्षण केन्द्र नीलोखेड़ी में 1970 तक पुलिस प्रशिक्षण कार्य होता रहा। इस केन्द्र के प्रथम बैच में 423 रैक्रूट सिपाहियों को प्रशिक्षित किया गया। आरम्भ में श्री आखेराम उप पुलिस अधीक्षक, हरियाणा सशस्त्र पुलिस को इस प्रशिक्षण केंद्र का प्रभारी नियुक्त किया गया। श्री सुखपाल राणा उप निरीक्षक को मुख्य कवायद प्रशिक्षक तथा श्री कमलजीत राय उप निरीक्षक को लाइन प्रबन्धन का दायित्व सौंपा गया। यहां 9 मार्च 1968 को 423 रैक्रूट जवानों की दीक्षांत परेड हुई जिसका नेतृत्व श्री आखेराम उप पुलिस अधीक्षक ने किया। इस अवसर पर श्री बीएन चक्रवर्ती, माननीय राज्यपाल हरियाणा (1967-1976) मुख्य अतिथि थे। छायाचित्र संख्या 2 में श्री बीएन चक्रवर्ती, माननीय राज्यपाल हरियाणा इस बैच की दीक्षांत परेड का निरीक्षण कर रहे हैं। उनके साथ इस केंद्र के प्रभारी श्री आखेराम उप पुलिस अधीक्षक भी दिखाई दे रहे हैं। प्रशिक्षणार्थियों के लिए परेड मैदान गांव संधीर को जाने वाले रास्ते के साथ बनाया गया और रुटमार्च के लिए उन्हें इसी रास्ते पर ले जाया जाता था।

इस प्रशिक्षण केन्द्र में सिपाही पद पर भर्ती हुए पुलिसकर्मियों को आधारभूत प्रशिक्षण दिया जाता था। हरियाणा पुलिस के राजपत्रित अधिकारी, अराजपत्रित अधिकारियों को आधारभूत प्रशिक्षण एवं अन्य पद के पुलिसकर्मियों को

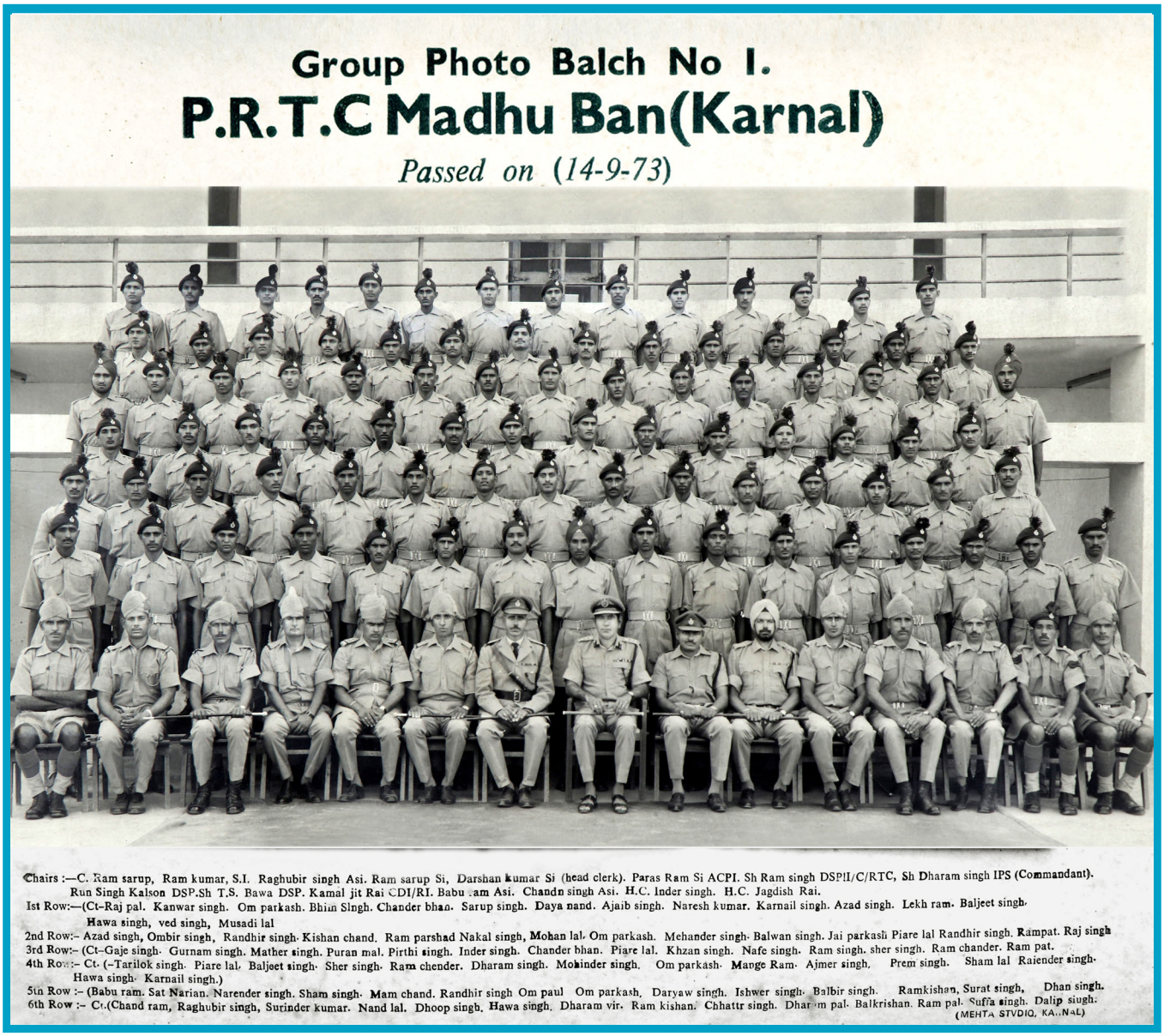

छायाचित्र संख्या-03

पदोन्नति प्रशिक्षण हेतु पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय फिल्लौर में भेजा जाता था। इनका प्रशिक्षण हरियाणा में आरम्भ होने का वर्णन आगामी कड़ी में किया जाएगा।

1970 के उत्तरार्द्ध में रैक्रुट प्रशिक्षण केंद्र को नीलोखेड़ी से मधुबन में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया आरंभ हुई। मधुबन पुलिस प्रशिक्षण केंद्र हेतु कई चरणों में हरियाणा सरकार द्वारा भूमि का अधिग्रहण किया गया। उपलब्ध हुए राजस्व अभिलेख के अनुसार अक्तूबर 1967 में गावं ऊंचा समाना व दहा, मई 1974 में गांव खरकाली, अप्रैल-जून 1977 में गांव दहा, खरकाली व कुटेल की भूमि अधिगृहित की गई।

हरियाणा सशस्त्र पुलिस की देख-रेख में नीलोखेड़ी की तरह मधुबन में भी पुलिस प्रशिक्षण कार्य आरम्भ हुआ। पुलिस में भर्ती जवानों को विभिन्न रूपों में मौलिक प्रशिक्षण प्रदान करने का कार्य जारी रहा। पुलिस रैक्रूट प्रशिक्षण केंद्र मधुबन में जवानों के प्रशिक्षण समाप्ति पर पहली बार 14 सितम्बर 1973 को औपचारिक दीक्षांत परेड का आयोजन किया गया। इस बैच को पीआरटीसी बैच संख्या 1 लिखा गया और यहीं से मधुबन पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षित बैचों का अंकीकरण आरंभ हुआ। छायाचित्र संख्या 03 इस बैच का समूह चित्र है जिसमें बैच संख्या 1 उल्लेखित है। इस समूह चित्र में श्री धर्म सिंह भापुसे, आदेशक द्वितीय वाहिनी हरियाणा सशस्त्र पुलिस; श्री रामसिंह उप पुलिस अधीक्षक एवं प्रभारी पीआरटीसी, मधुबन, प्रशिक्षकगण एवं इस बैच के 88 जवान दिखाई दे रहे हैं।

07 जुलाई 2020 को श्री योगिंद्र सिंह नेहरा भापुसे, निदेशक हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन ने श्री कमलजीत राय, पुलिस उप अधीक्षक (सेवानिवृत)एवं हरियाणा पुलिस के अग्रणी प्रशिक्षक, को अकादमी में आंमत्रित कर सम्मानित किया। 23 अक्तूबर 1929 को जन्में श्री कमलजीत राय ने इस अवसर पर अपने संस्मरण साझा करते हुए बताया कि वे 1952 से 1966 तक फिल्लौर में 'उस्ताद' रहे। हरियाणा प्रदेश के गठन के बाद वे भी हरियाणा पुलिस में स्थानांतरित हुए जब वे श्री कंवर रणदीप सिंह भापुसे, तत्कालीन पुलिस उप महानिरीक्षक, अम्बाला मंडल से उनके कार्यालय में शिष्टाचार भेंट के लिए गए तो कंवर रणदीप सिंह साहब ने उन्हें 'उस्ताद जी' कहकर संबोधित किया और हरियाणा में अपना प्रशिक्षण केंद्र आरंभ करने का आदेश दिया। कंवर साहब ने श्री एचआरके तलवार भापुसे, तत्कालीन उप महानिरीक्षक हरियाणा सशस्त्र पुलिस, से प्रशिक्षण केंद्र आरम्भ करने बारे विमर्श किया था। श्री एचआरके तलवार साहब पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय, फिल्लौर (पंजाब)के प्राचार्य रहे थे। उन्हें प्रशिक्षण केंद्र के प्रबन्धन संबंधी बारिकियों का अनुभव था। इस प्रकार दोनों वरिष्ठ अधिकारियों के प्रयासों से हरियाणा का रैक्रूट प्रशिक्षण केंद्र नीलोखेड़ी (करनाल) में आरम्भ हुआ।

-शेष अगली कड़ी में

प्रेरणा
श्री मनोज यादव भापुसे, पुलिस महानिदेशक हरियाणा
निर्देशन
श्री योगिंद्र सिंह नेहरा भापुसे, निदेशक हरियाणा पुलिस अकादमी मधुबन
संपादन
श्री कृष्ण मुरारी भापुसे पुलिस अधीक्षक अकादमी
फोटो साभार
श्री कमलजीत राय डीएसपी (सेवानिवृत), श्री सुखबीर सिंह निरीक्षक पुत्र श्री आखे राम डीएसपी (सेवानिवृत)
संकलन एवं लेखन
उप निरीक्षक राम कुमार, ओमप्रकाश, ओआरपी/उप निरीक्षक राजेश कुमार, प्रधान सिपाही शर्मीला
पृष्ठ सज्जा
सी-1 रामकिशन